

002/IX/SA2/19/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर
कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - IX

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे]

[अधिकतम अंक : 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 10 हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

- (i) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं — क, ख, ग और घ।
- (ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छॉटकर लिखिए- 1x5=5

दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिन्दु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है और धार्मिक ग्रन्थ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो, लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है। फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाश-लीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया है। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।

- (i) प्रकृति के असंतुलन का सबसे प्रमुख कारण है -
 (क) पंछियों को बस्तियों से भगाना (ख) बारूदों की विनाश-लीला
 (ग) बढ़ती जनसंख्या (घ) बढ़ता प्रदूषण
- (ii) पहले की दुनिया और आज की दुनिया में लेखक को जो अन्तर दिखाई देता है वह है -
 (क) अब मनुष्य अधिक स्वतंत्र है।
 (ख) अब मनुष्य अधिक विकसित है।
 (ग) अब मनुष्य छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में रहने लगा है।
 (घ) अब मनुष्य अधिक सक्षम है।
- (iii) प्रकृति के असंतुलन का परिणाम हुआ है -
 (क) आबादी बेतहाशा बढ़ रही है। (ख) विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और रोगों में वृद्धि।
 (ग) बढ़ती जनसंख्या (घ) बढ़ता प्रदूषण
- (iv) 'जलजले' का अर्थ है -
 (क) भूकम्प (ख) तूफान (ग) बाढ़ (घ) महाविनाश
- (v) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है -
 (क) दुनिया की यात्रा (ख) प्राकृतिक असंतुलन और मानव
 (ग) बारूदी विनाशलीला (घ) पंछियों की बस्तियाँ

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छॉटकर लिखिए- 1x5=5

विद्यार्थी जीवन ही वह समय है, जिसमें बच्चों के चरित्र, व्यवहार, आचरण को जैसा चाहे, वैसा रूप दिया जा सकता है। यह अवस्था भावी वृक्ष की उस कोमल शाखा की भाँति है, जिसे जिधर चाहे मोड़ा जा सकता है। पूर्णतः विकसित वृक्ष की शाखाओं को मोड़ना संभव नहीं। उन्हें मोड़ने का प्रयास करने पर वे टूट तो सकती हैं पर मुड़ नहीं सकतीं। छात्रावस्था उस श्वेत चादर की तरह होती है, जिसमें जैसा प्रभाव डालना हो, डाला जा सकता है। सफेद चादर पर एक रंग जो चढ़ गया, सो चढ़ गया, फिर से वह पूर्वावस्था को प्राप्त नहीं हो सकती। इसीलिए प्राचीन काल से ही विद्यार्थी जीवन के महत्त्व को स्वीकार किया गया है। इसी अवस्था से सुसंस्कार और सद्वृत्तियाँ पोषित की जा सकती हैं। इसीलिए प्राचीन समय में बालक को घर से दूर गुरुकुल में रहकर कठोर अनुशासन का पालन करना होता था।

- (i) व्यवहार को सुधारने का सर्वोत्तम समय होता है
 (क) प्रौढ़ावस्था (ख) युवावस्था (ग) वृद्धावस्था (घ) छात्रावस्था

- (ii) छात्रों को गुरुकुल में छोड़ा जाता था-
- (क) कठोर अनुशासन के लिए
(ख) घर से दूर रखने के लिए
(ग) अच्छे संस्कार विकसित करने के लिए
(घ) इनमें से कोई नहीं
- (iii) छात्रावस्था की उपयुक्त तुलना की गई है -
- (क) विकसित वृक्ष से (ख) सफेद चादर से
(ग) अविकसित वृक्ष से (घ) वृक्ष की विकसित शाखा से
- (iv) इनमें से किस शब्द में उपसर्ग शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है -
- (क) महत्त्व (ख) सुसंस्कार (ग) अनुशासन (घ) विकसित
- (v) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है -
- (क) चरित्र और व्यवहार (ख) कठोर अनुशासन
(ग) विद्यार्थी जीवन (घ) छात्र - एक वृक्ष

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर उत्तर लिखिए-

1x5=5

यह कैसा वक्त है

कि किसी को कड़ी बात कहो

तो भी वह बुरा नहीं मानता!

जैसे घृणा और प्यार के जो नियम हैं

उन्हें कोई नहीं जानता।

खूब खिले हुए फूल को देखकर

अचानक खुश हो जाना,

बड़े सुखद स्नेही की हार पर

मन भर लाना,

झुँझलाना,

अभिव्यक्ति के इन सीधे-सादे रूपों को भी

सब भूल गए

कोई नहीं पहचानता,

यह कैसी लचारी है

कि हमने अपनी सहजता ही

एकदम बिसारी है।

इसके बिना जीवन कुछ इतना कठिन है

कि फर्क जल्दी समझ में नहीं आता

यह दुर्दिन या सुदिन है।

जो भी हो संघर्षों की बात तो ठीक है।

बढ़ने वाले के लिए
यही तो एक लीक है।
फिर भी दुख-सुख से यह कैसी निस्संगता!
कि किसी को कड़ी बात मत कहो
तो भी वह बुरा नहीं मानता।
यह कैसा वक्त है?

- (i) प्रस्तुत काव्यांश में खिन्नता प्रकट की गई है - 1
- (क) संवेदनहीनता के प्रति (ख) संवेदनशीलता के प्रति
(ग) परस्पर घृणा के प्रति (घ) लाचारी के प्रति
- (ii) निम्नलिखित में से विशेषण शब्द नहीं है : 1
- (क) बड़े (ख) कड़ी
(ग) सीधे - सादे (घ) निस्संगता
- (iii) हमारे द्वारा भुलाए हुए अभिव्यक्ति के सहज रूप है - 1
- (क) अपनों की जीत पर खुश होना। (ख) विपरीत परिस्थितियों में झुंझलाना, मन भर लाना।
(ग) 'क' और 'ख' दोनों विकल्प सही हैं (घ) इनमें से कोई नहीं
- (iv) सहजता के अभाव का जीवन पर प्रभाव पड़ता है - 1
- (क) जीवन सरल हो जाता है। (ख) अच्छे और बुरे समय का अन्तर समझ नहीं आता।
(ग) व्यक्ति प्रसन्न रहता है (घ) सभी विकल्प सही हैं
- (v) कवयित्री संघर्षों को स्वीकारती है क्योंकि - 1
- (क) यही जीवन का सच है।
(ख) मनुष्य को संघर्ष करना चाहिए।
(ग) जीवन में आगे बढ़ने का यही एकमात्र मार्ग है।
(घ) संघर्ष हमें सहज बनाते हैं

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प
छाँटकर लिखिए- 1x5=5

विषुवत रेखा का वासी जो,
जीता है नित हाँफ - हाँफ कर,
रखता है अनुराग अलौकिक,
वह भी अपनी मातृभूमि पर।
ध्रुव वासी जो हिम में, तम में,
जी लेता है काँप-काँप कर,
वह भी अपनी मातृभूमि पर,
कर देता है प्राण निछावर।।

तुम तो हे प्रिय बंधु! स्वर्ग सी,
सुखद सकल विभवों की आकर,
धरा-शिरोमणि मातृभूमि में,
धन्य हुए हो जीवन पाकर।

तुम जिसका जल – अन्न ग्रहण कर,
बड़े हुए लेकर जिसकी रज,
तन रहते कैसे तज दोगे,
उसको, हे वीरों के वंशज ॥

जब तक साथ एक भी दम हो,
हो अवशिष्ट एक भी धड़कन,
रखो आत्म-गौरव से ऊँची
पलकें, ऊँचा सिर, ऊँचा मन।

- (i) विषुवतीय प्रदेश में रहने वालों को कष्ट होता है कि –
- (क) दूर-दूर तक चलने के कारण हाँफने लगते हैं।
(ख) वहाँ बहुत सर्दी होती है।
(ग) अत्यधिक गर्मी सहन करनी पड़ती है।
(घ) मातृभूमि-रक्षा में कष्ट सहन करने पड़ते हैं।
- (ii) विषुवत-रेखा और ध्रुव प्रदेश के वासी अपनी मातृभूमि के प्रति,
- (क) प्राण न्योछावर करने तैयार रहते हैं। (ख) छोड़कर जाना चाहते हैं
(ग) वहाँ रहते हुए भय से काँपते हैं। (घ) प्रसन्नतापूर्वक रहते हैं।
- (iii) कवि ने 'वीरों के वंशज' कहा है –
- (क) प्रिय बंधुओं को। (ख) विषुवत – रेखा के वासियों को।
(ग) भारतीयों को। (घ) ध्रुव वासियों को।
- (iv) प्रस्तुत कविता में कवि संदेश दे रहे हैं, कि –
- (क) देश के प्रति प्राण न्योछावर करने को तैयार रहो।
(ख) देश छोड़कर मत जाओ।
(ग) औरों की तरह कष्ट सहन करो।
(घ) धरा – शिरोमणि में जन्म लेने के कारण अहंकार करो।
- (v) 'प्रेम' का समानार्थी शब्द है –
- (क) अलौकिक (ख) सुखद (ग) आकर (घ) अनुराग

खंड 'ख'

5. (i) 'अरक्षित' में उपसर्ग है - 1
 (क) अर् (ख) अर (ग) अ (घ) अरक्
- (ii) 'अप' उपसर्ग - रहित शब्द है? 1
 (क) अपरिपक्व (ख) अपमान (ग) अपवाद (घ) अपराध
- (iii) 'प्र' उपसर्ग युक्त शब्द छाँटिए। 1
 (क) प्रतिकूल (ख) प्रत्येक (ग) प्राक्कथन (घ) प्रारंभ
- (iv) 'उच्चारण' का सही विकल्प है - 1
 (क) उच् + चारण (ख) उच्च + चारण (ग) उत् + चारण (घ) उत्+चरण
6. (i) किस शब्द में 'ई' प्रत्यय का प्रयोग नहीं हुआ है - 1
 (क) भारती (ख) पंजाबी (ग) मानसूनी (घ) पानी
- (ii) 'आई' प्रत्यय रहित शब्द है - 1
 (क) चतुराई (ख) पढ़ाई (ग) चुतराई (घ) बनाई
- (iii) 'पन' प्रत्यय वाला शब्द नहीं है - 1
 (क) बचपन (ख) पचपन (ग) लड़कपन (घ) छुटपन
- (iv) 'मिठास' में मूल शब्द है 1
 (क) मिठ (ख) मिठाई (ग) मेवा (घ) मीठा
7. (i) 'सत्याग्रह' समस्तपद में समास है, - 1
 (क) अव्ययीभाव (ख) तत्पुरुष (ग) द्वन्द्व (घ) बहुब्रीहि
- (ii) 'राधा-कृष्ण' समस्तपद के विग्रह और समास के नाम का सही विकल्प है। 1
 (क) राधा के लिए कृष्ण - बहुब्रीहि
 (ख) राधा का कृष्ण - कर्मधारय
 (ग) राधा और कृष्ण - द्वन्द्व
 (घ) राधा के कृष्ण - तत्पुरुष
- (iii) 'पंचवटी' समस्तपद के विग्रह और समास के नाम का सही विकल्प है। 1
 (क) पंच के लिए वटी - तत्पुरुष
 (ख) पंच और वटी - द्वन्द्व
 (ग) पाँच वटों का समूह - द्विगु
 (घ) पाँच वट हैं जिसके - बहुब्रीहि
- (iv) 'अव्ययीभाव समास' का सही उदाहरण चुनकर लिखिए। 1
 (क) गृहस्वामी (ख) अंधकूप (ग) आजीवन (घ) चौराहा

8. (i) भाववाचक संज्ञा का सही उदाहरण चुनकर लिखिए। 1
 (क) डकैती (ख) डाक्टर (ग) डाक (घ) डाकू
- (ii) सर्वनाम 'कुछ' के प्रकार का सही विकल्प है। 1
 (क) प्रश्नवाचक (ख) पुरुषवाचक
 (ग) निश्चयवाचक (घ) अनिश्चयवाचक
- (iii) 'माँ ने भिखारी को खाना दिया' रेखांकित पद में कारक लिखिए। 1
 (क) कर्म कारक (ख) अधिकरण कारक
 (ग) सम्प्रदान कारक (घ) कर्ता कारक
- (iv) 'बच्चों से गीत गाया गया' इस वाक्य में 'परसर्ग ने' का सही विकल्प है। 1
 (क) बच्चों ने गीत गाया गया। (ख) बच्चों ने गीत गाया।
 (ग) बच्चों से गीत गाया। (घ) बच्चों ने गीत गाया गया है
9. (i) 'चंद्रमा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है - 1
 (क) शशि (ख) राकेश (ग) सुरेश (घ) इन्दु
- (ii) 'बंजर' का विलोम शब्द है। 1
 (क) रेतीला (ख) पथरीला (ग) अलौकिक (घ) उपजाऊ
- (iii) 'सुत-सूत' के समानार्थक शब्द - युगों में से सही शब्द - युग चुनकर लिखिए- 1
 (क) धागा - पुत्र (ख) बेटा - बेटा (ग) बेटा - धागा (घ) सारथी - धागा
- (iv) 'बुद्धिमान' का स्त्रीलिंग रूप है। 1
 (क) बुद्धिवती (ख) बुद्धिवामानी (ग) बुद्धिमती (घ) विदुषी

खंड 'ग'

10. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्पों का चयन करके लिखिए - 1x5=5

आज से कई वर्ष पहले गुरुदेव के मन में आया कि शांतिनिकेतन को छोड़कर कहीं अन्यत्र जाएँ। स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं था। शायद इसलिए, या पता नहीं क्यों, तै पाया कि श्रीनिकेतन के पुराने तिमंजिले मकान में कुछ दिन रहें। शायद मौज में आकर ही उन्होंने यह निर्णय किया हो। वे सबसे ऊपर के तल्ले में रहने लगे। उन दिनों ऊपर तक पहुँचने के लिए लोहे की चक्करदार सीढ़ियाँ थीं, और वृद्ध और क्षीणवपु रवींद्रनाथ के लिए उस पर चढ़ सकना असम्भव था। फिर भी बड़ी कठिनाई से उन्हें वहाँ ले जाया जा सका।

- (i) 'गुरुदेव' शब्द का प्रयोग किया गया है -
 (क) जयशंकर प्रसाद के लिए। (ख) रवींद्रनाथ टैगोर के लिए।
 (ग) मुंशी प्रेमचंद के लिए। (घ) राजाराममोहन राय के लिए।
- (ii) गुरुदेव शांतिनिकेतन को छोड़कर -
 (क) बंगाल में रहे। (ख) लेखक के घर में रहे।
 (ग) शरणार्थी के घर में रहे। (घ) श्रीनिकेतन में रहे।

- (iii) मकान के ऊपरी तल तक पहुँचने के लिए साधन था 1
 (क) लिफ्ट (ख) लकड़ी की सीढ़ी
 (ग) लोहे की चक्रदार सीढ़ियाँ (घ) पत्थर की सीढ़ी
- (iv) 'क्षीणवपु' में समास है - 1
 (क) द्वंद्व (ख) द्विगु (ग) कर्मधारय (घ) बहुब्रीहि
- (v) 'तिमंजिले' का अर्थ है, - 1
 (क) तीन मंजिलें (ख) तीन मंजिलों वाला
 (ग) तीन दरवाजों वाला (घ) तीन मंजिलों के बाद

अथवा

कानपुर में भीषण हत्याकाण्ड करने के बाद अँगरेजों का सैनिक दल बिठूर की ओर गया। बिठूर में नाना साहब का महल लूट लिया गया; पर उसमें बहुत थोड़ी संपत्ति अँगरेजों के हाथ लगी। इसके बाद अँगरेजों ने तोप के गोले से नाना साहब का महल भस्म कर देने का निश्चय किया। सैनिक दल ने जब वहाँ तोपें लगाईं, उस समय महल के बरामदे में एक अत्यन्त सुंदर बालिका आकर खड़ी हो गई। उसे देखकर अँगरेज सेनापति को बड़ा आश्चर्य हुआ; क्योंकि महल लूटने के समय वह बालिका वहाँ कहीं दिखाई न दी थी।

- (i) अँगरेजों के सैनिक दल ने कानपुर में, -
 (क) लूट - पाट की। (ख) भीषण हत्याकाण्ड किया।
 (ग) नरसंहार किया। (घ) गोली-बारी की।
- (ii) महल के बरामदे में खड़ी बालिका थी, -
 (क) नाना साहब की पुत्री (ख) नाना साहब की बहन
 (ग) नाना साहब की भतीजी (घ) नाना साहब की सेविका
- (iii) अँगरेजों का सैनिक दल भीषण हत्याकाण्ड करने के बाद कानपुर से, -
 (क) आगरा गया। (ख) कानपुर गया।
 (ग) बिठूर गया। (घ) दिल्ली गया।
- (iv) सेनापति को आश्चर्य हुआ, -
 (क) राजमहल को देखकर। (ख) सुंदर बालिका को देखकर।
 (ग) धन - संपत्ति को देखकर। (घ) नाना साहब की सेना को देखकर।
- (v) अँगरेजों को राजमहल लूटने पर क्या मिला ?
 (क) बहुत थोड़ी संपत्ति। (ख) जमीन के कागजात।
 (ग) बहुत सारा धन। (घ) खुफिया दस्तावेज।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए -

2x5=10

- (क) भाव स्पष्ट कीजिए - 'जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पच्चीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं'।
- (ख) महादेवी वर्मा ने अपनी माँ की किन - किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
- (ग) 'मूक प्राणी संवेदनशील होते हैं' - 'एक कुत्ता और एक मैना' - पाठ के आधार पर प्रमाणित कीजिए।
- (घ) किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी-प्रेमी बना दिया? पठित पाठ के आधार पर लिखिए।
- (ङ) कुंभनदास कौन थे ? उन्हें पछतावा क्यों हुआ ? आपके किस पाठ में उनका उल्लेख हुआ है ?

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए तथा उसके प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए -

माँ की ईश्वर से मुलाकात हुई या नहीं
कहना मुश्किल है
पर वह जताती थी जैसे
ईश्वर से उसकी बातचीत होती रहती है
और उससे प्राप्त सलाहों के अनुसार
जिंदगी जीने और दुख बरदाश्त करने के
रास्ते खोज लेती है
माँ ने एक बार मुझसे कहा था -
“दक्षिण की तरफ पैर करके मत सोना
वह मृत्यु की दिशा है
और यमराज को क्रुद्ध करना
बुद्धिमानी की बात नहीं।”

- (क) कवि एवं कविता का नाम लिखिए । 1
- (ख) कवि की माँ उसे क्या जताने का प्रयास करती थी तथा माँ के कार्यों से कवि को क्या आभास हो रहा था ? 2
- (ग) कवि की माताजीने उन्हें क्या सलाह दी थी और क्यों ? उपरोक्त पद्यांश के आधार पर लिखिए । 2

अथवा

देख आया चंद्र गहना ।
देखता हूँ दृश्य अब मैं
मेड़ पर इस खेत की बैठा अकेला,
एक बीते के बराबर
यह हरा ठिगना चना
बाँधे मुरैठा शीश पर
छोटे गुलाबी फूल का
सजकर खड़ा है ।
पास ही मिल कर उगी है
बीच में अलसी हठीली
देह की पतली, कमर की है लचीली
नील फूले फूल को सिर पर चढ़ाकर
कह रही है, जो छुए यह
दूँ हृदय का दान उसको ।

- (क) इस पद्यांश में हरे चने की रूप-सज्जा का वर्णन कीजिए । 2
- (ख) चंद्रगहना देखकर कवि कहाँ रुक गया और क्यों ? 1
- (ग) अलसी के लिए ‘हठीली’ विशेषण का प्रयोग क्यों किया गया है ? उसके स्वरूप का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए । 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए -
- (क) 'गाँव को मरकत डिब्बे' सा खुला' क्यों कहा गया है ? कवि के अनुसार गाँव का वर्णन कीजिए। 2
- (ख) कवि ने पीपल को ही बड़ा बुजुर्ग क्यों कहा है ? 1
- (ग) 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता के आधार पर बताइए कि सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे क्यों वंचित हैं ? 2

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए- 5
- (क) शंकर जैसे लड़के तथा उमा जैसी लड़की में से समाज को कैसे व्यक्तित्व की जरूरत है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

अथवा

- (ख) 'माटी वाली' पाठ के आधार पर विस्थापन की समस्या पर अपने विचार प्रगट कीजिए।

खंड 'घ'

15. अपने मित्र को पत्र लिखकर उसे अपने घर आने का निमंत्रण दीजिए । 5

अथवा

बढ़ते हुए रोगों की रोकथाम के लिए जिले के स्वास्थ्य अधिकारी को एक प्रार्थना - पत्र लिखिए ।

16. नीचे दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निबंध लिखिए - 5

व्यायाम और हमारा जीवन

संकेत बिंदु -

व्यायाम का अर्थ, व्यायाम की आवश्यकता, व्यायाम का महत्त्व, व्यायाम के प्रकार, व्यायाम स्वास्थ्य का प्रमुख साधन

अथवा

विज्ञान के बढ़ते चरण

संकेत बिंदु

विज्ञान-अर्थ, नए-नए आविष्कार, आविष्कारों की उपयोगिता, मानव के लिए हितकर अथवा विनाशकारी, नवीन तम आविष्कार, उनसे लाभ, निष्कर्ष

- o O o -